डिजिटल

आज संचार तकनीक के क्षेत्र में एक जबरदस्त क्रांति आ चुकी है। आज हम इंटरनेट, फोन और टेलीविजन के दर्जनों चैनलों के जरिए कुछ भी लगभग तुरन्त ही देख और सुन सकते हैं। हर सूचना और चित्र का डिजिटलीकरण करके उसको और सुविधाजनक बना दिया गया है। अब वह दिन भी शायद दूर नहीं है जब वास्तविक और ठोस वस्तुओं का भी डिजिटलीकरण करके चीजों और जीवित वस्तुओं को कहीं पर से कहीं पर भी पहुंचाया जा सकेगा और उस दिन बन जाएगा पूरा संसार...

डिजिटल

संजय गुप्ता की पेशकश

कथाः	चित्रः	इंकिंगः	सुलेख एवं रंगसज्जाः	सम्पादकः
जॉली सिन्हा	अनुपम सिन्हा	विनोदकुमार	सुनील पाण्डेय	मनीष गुप्ता

इंसान दिन प्रतिदिन विकास की सीढ़ियों को लांघता जा रहा है। और ये सिर्फ एक शुरुआत है-
लेडीज एंड जेंटलमेन ऑफ मीडिया! आपका स्वागत है! आज आप देखने जा रहे हैं हिन्दुस्तान की एक बड़ी कामयाबी...
हाईपर कंप्यूटर प्लेटीनियम। ये दुनिया का सबसे एडवांस कंप्यूटर है। इसमें 'आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस' यानी 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' है। इसकी मेमोरी में दुनिया का अब तक का ज्ञान पूरा ज्ञान भरा हुआ है। इतिहास, भूगोल, गणित, विज्ञान, कला, ये सभी के बारे में सब कुछ जानता है और अपनी तर्क शक्ति के बल पर ज्ञान के हर क्षेत्र में विकास की एक नई राह दिखा सकता है। इसको हमने पूरी दुनिया के कंप्यूटरों से इंटरनेट के द्वारा जोड़ रखा है। ताकि पूरी दुनिया हमारे आविष्कार प्लेटीनियम से फायदा उठा सके!
ये सब तो हमने समझ लिया! पर ये बताइए प्रोफेसर कि ये हमारी रोजमर्रा की समस्याओं के बारे में क्या कर सकता है?
ये देशों के बीच के झगड़ों का एक तर्कपूर्ण समाधान देकर उन झगड़ों को निपटा सकता है! और तो और ये तर्क शक्ति के बल पर भविष्य तक बता सकता है!

वाह! यानी इसमें ज्योतिष का ज्ञान भी भरा हुआ है!
जरूर भरा है! लेकिन मैं ज्योतिष की नहीं, बल्कि उस भविष्य की बात कर रहा हूँ जो तर्क से बताया जाता है! जैसे कि अगर आज देश में इतना उत्पादन हो रहा है तो कल हमारे देश की आर्थिक स्थिति क्या हो सकती है!
आने वाले कुछ ही दिनों में आपको इसके चमत्कार नजर आने शुरू भी हो जाएंगे!
हम सभी का मानना है कि मानव ने विज्ञान में हांलाकि काफी तरक्की कर ली है...
...लेकिन फिर भी ब्रह्मांड में ऐसे दूसरे ग्रह भी मौजूद हैं जिनका विज्ञान हमसे हजारों या शायद लाखों गुना आगे है-
?
और वे परग्रहवासी समय-समय पर पृथ्वी पर आते रहते हैं-
क्यों आते हैं इसका जवाब, शायद किसी के पास नहीं है!
तुम्हारे मस्तिष्क के संकेतों से तुम्हारे अपराधी होने का स्पष्ट संकेत मिल रहा है!
तुम दोनों हमारे काम के आदमी हो!
और अब तुम वही करोगे, जो हम तुमको बताएंगे!
सुनो कि तुमको क्या करना है?

इसी वक्त- कंप्यूटर एक्सपर्ट रिचा की जिन्दगी का एक महत्त्वपूर्ण निर्णय ले रही थी-
आज वह समय सीमा पूरी हो गई जो मैंने ब्लैक कैट के लिए तय की थी। अब तक मुझको ब्लैककैट का रूप धरने की जरूरत नहीं पड़ी, तो आगे भी नहीं पड़ेगी।
अब इस पोशाक को इसकी सही जगह पर पहुंचा देना चाहिए।
कूड़े के डिब्बे में!
और इसको कूड़े के डिब्बे में फेंकने का सबसे बढ़िया वक्त यही है! रात के बारह बजे का सन्नाटे भरा वक्त! इस वक्त कोई भी मुझको ड्रेस फेंकते नहीं देख पाएगा।
209
और सवेरे हर कोई समझ जाएगा कि ...
... ब्लैक कैट मर गई!
अरे!
उधर क्या हो रहा है?

कार में दो गुंडे फुटपाथ पर सो रहे लड़के का अपहरण कर रहे हैं। और अगल बगल लोग मजदूर भी उसको बचाने का कोई प्रयास नहीं कर रहे हैं। शायद वह बच्चा इनमें से किसी का भी सगा-संबंधी नहीं है।
वह बच्चा एक मजदूरी मजदूर है। फिर ये दोनों अपराधी उसका अपहरण क्यों कर रहे हैं? ये अपराधी भी छोटे-मोटे गुंडे नहीं, बल्कि किसी गैंग के बॉस लगते हैं। खैर मुझे इससे क्या?
बचाओ!
ये बच्चा अगर खो भी गया तो इसकी कमी किसी को भी महसूस नहीं होगी।
वैसे भी ये अपराध रोकना पुलिस का काम है। मैंने इस पचड़े में न पड़ने का निर्णय लिया है, और मुझे उस निर्णय पर कायम रहना है।
बचाओ
मैं अपना निर्णय नहीं बदलूंगी, लेकिन कैट मर चुकी है और अब वह कभी वापस नहीं आएगी।

ओफ! मैं चाहे लाख चिल्लाती रहूं...
...लेकिन मेरी सुनता कौन है!
कुछ ही पलों बाद- तेजी से दौड़ती उस कार के अंदर-
धम्म
ये कैसी आवाज थी? लगता है कि छत पर कोई है!
धम्म
जो कोई भी छत पर है...
...अब वह इस दुनिया में ही नहीं रहेगा!
धांय
धांय
धांय
धांय
हमारे इस ऑपरेशन में जो भी बाधा डालेगा, वह जिन्दा नहीं बचेगा!

इन लोगों ने छत में छेद करके मेरा काम आसान कर दिया है!
अब मैं इन छेदों में अपने पंजे डालकर...
... कार की छत को आराम से फाड़ सकती हूं!
और बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल सकती हूं!
उसे रोको! ये लड़का हमारे हाथ से जाना नहीं चाहिए!
फिलहाल तो अपनी जान जाने वाली है!

ओफ्फ! अब कार फ्लाई ओवर के खंभे से टकराएगी और इन दोनों का राम नाम सत्य हो जाएगा! मुझे कभी पता नहीं चलेगा कि ये हाई फाई गुंडे इस गरीब अनाथ का अपहरण क्यों कर रहे थे!
चीं ईं ईं
लेकिन-
ओ माई गॉड! मेरी... मेरी आंखें खराब हो गई हैं या मेरा दिमाग खराब हो गया है!
कार तो बगैर खंभे से टकराए उसके अंदर घुसती जा रही है!
और फिर दूसरी तरफ से निकलकर वापस हमारी तरफ आ रही है!
और... और इसकी छत अब अपने आप ठीक हो गई है!
अब हमको लड़के के साथ-साथ तुझे भी साथ लेकर जाना होगा, लड़की!
ताकि तूने अभी जो कुछ भी देखा है वह किसी और को पता न चल पाए!

कौन हैं ये लोग? तुम्हारे पीछे क्यों पड़े हुए हैं?
मुझे नहीं पता। मैं तो भीख मांगने वाला एक अनाथ हूं। और आज तो मुझको एक पैसे भी भीख नहीं मिली है! और इनको तो मैंने आज तक देखा भी नहीं!
तुम भागो यहां से! मैं इनको रोकती हूं!
ब्लैक कैट के पंजों से नुकीले नाखूनों की बौछार निकलकर-
आगे बढ़ती कार के टायरों में जा धंसी-
लेकिन कार की रफ्तार जरा सी भी कम नहीं हुई-
ओ! मैंने तो सोचा था कि कार के टायर पंकचर होने से कार पलट जाएगी! लेकिन ये कार तो आगे बढ़ती ही आ रही है! वह लड़का ज्यादा दूर तक भाग नहीं पाएगा! अब मुझे ही उसको बचाना पड़ेगा!
और इन अद्भुत शक्ति वाले गुंडों से दूरी बढ़ाने का सबसे आसान तरीका है इस फ्लाई ओवर पर चढ़ जाना! और ऊपर से दूसरी दिशा में निकल जाना! इस लड़के को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाकर मैं फिर वापस आऊंगी!

फिर ये...! आssssह.

इनकी शक्तियों का हमारे पास कोई जवाब नहीं है.
यहां आने से ठीक पहले मैं अपनी मोटर साइकल के हैंडल और रिम पर लगाने के लिए 'हार्डवर्निश' लेकर आया था.

अच्छा किया कि तूने अपनी चाल को खुद ही बक दिया. अब ये चाल तुझ पर नहीं चलेगी
आऽऽऽह, तुम्हारी चाल से दिग गई ध्रुव. अब इस दूसरी तूफान से कैसे निपटोगे?
कैसे मिल रही है?...
उसकी जरूरत नहीं है ब्लैककैट. केबल कहीं न कहीं से जमीन से बाहर आते ही हैं.
और यहां पर केबल उस ट्रांसफार्मर में से जमीन के अंदर जा रहे हैं.
अगर मेरा ख्याल सही है तो...

ट्रांसफॉर्मर के तारों को 'शॉर्ट सर्किट' करने से जो फॉल्ट पैदा होगा...
...वह इस पूरे एरिया की बिजली गुल कर देगा!...और अंडरग्राउंड केबलों में बह रहा विघुत प्रवाह भी ठप्प हो जाएगा!
और ऐसा होने से...
...इसके मिलने वाली ऊर्जा भी खत्म हो जाएगी!
ये लड़का बहुत चालाक है।
लेकिन यह छोटा

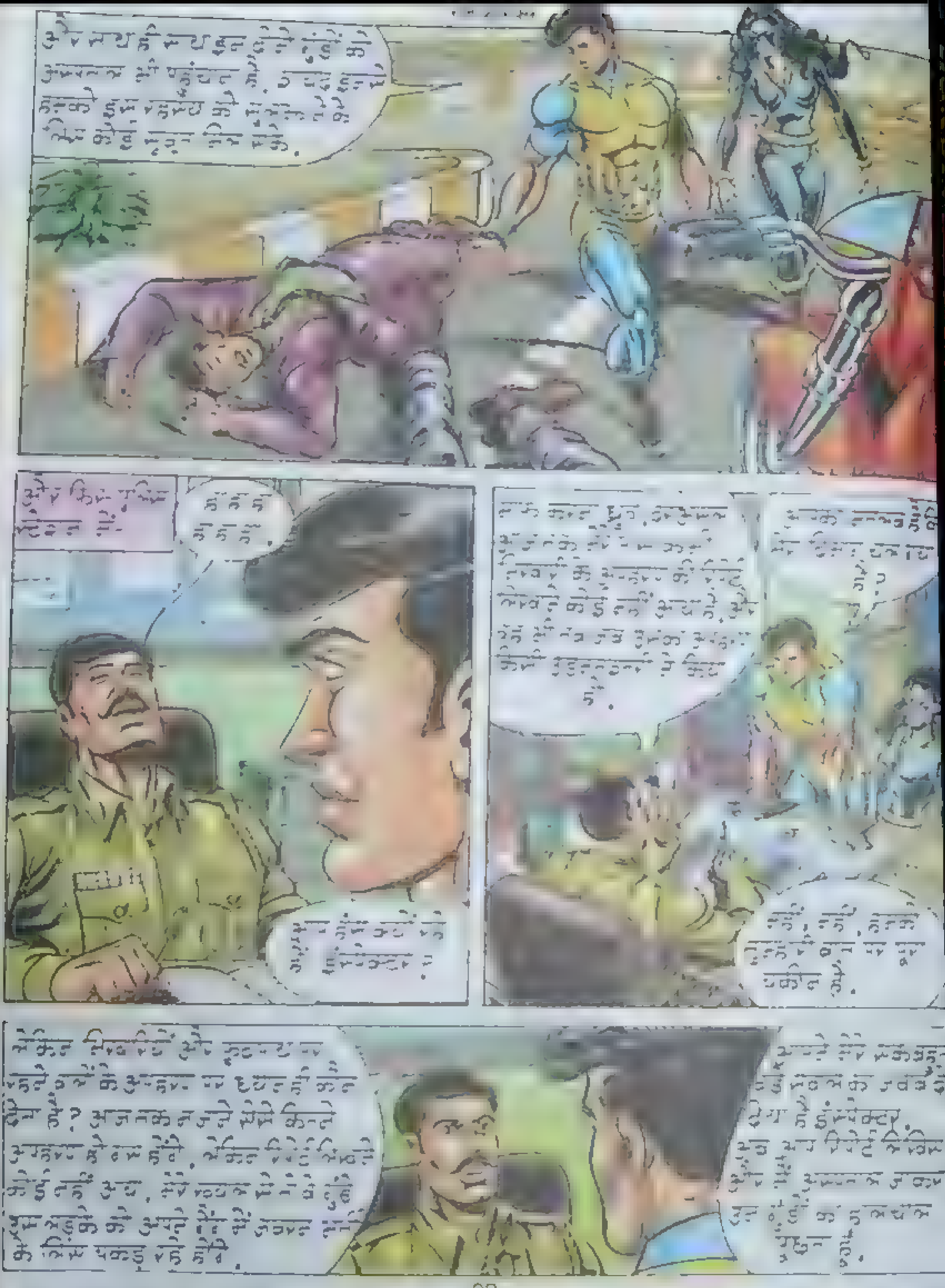

और फिर

मैं 'वईट' हूं.
वईट के

बदल देता हूं, वह मेरे
दी! अगर मैं इसके वार को न
हुई ऊर्जा ध्रुव तक पहुंचती -
करती है, उसका अगर धरती से
सीधा संपर्क करा दिया जाए तो

लेकिन इस बार का असर उल्टा ही हुआ-
अरे, ये क्या किया

'कुछ भी नहीं' का क्या मतलब है करीम?
और फिर-
ओहSSSS

हा हा हा, इस वार से बचकर दिखा, इससे तो तू बच ही नहीं सकता, क्योंकि तेरी कलाबाज़ी अभी पूरी नहीं हुई है, और बीच में एक कलाबाज़ी पूरी किए बिना तू दूसरी कलाबाज़ी खा नहीं सकता!
फिर ध्रुव की तरफ तेज़ी से बढ़ रही थी, और इस बार ध्रुव के लिए उसके रास्ते से हट पाना मुमकिन नहीं था-
लेकिन कहते हैं कि दोस्त
हैं जो मुश्किल में काम आ
और ध्रुव के लिए दोस्तों की कोई कमी नहीं थी-
ओह, इस चिड़िया ने वार अपने ऊपर झेल लिया।
ओह, बहुत होशियार, तूने उल्टी कलाबाज़ियां खा लीं, पर गिर तो नीचे ही रहा, और जब तू नीचे गिरेगा तब मेरा ऊर्जा जाल तेरा इंतज़ार कर रहा होगा!
गिर जल्दी गिर.
लेकिन तभी - वह आवाज़ ध्रुव के लिए ज़िंदगी का पैगाम लेकर आई-
ऊर्जा जाल और ध्रुव के बीच में सिर्फ तीन गज़ों का फ़ासला था-
अपना काम कर दिया

उसने स्टार हैलीकॉप्टर भेज दिया
ओ. के. कप्तान. अब तुम रिमोट द्वारा हैलीकॉप्टर को निर्देशित करना बंद कर दो. अब मैं हैलीकॉप्टर का कंट्रोल अपने हाथों में ले रहा हूं! ओवर.

समुद्र के अंदर!
'बाईट' के पानी में गिरते ही-
ध्रुव भी उसके पीछे-पीछे पानी के अंदर जा पहुंचा-
अच्छी चाल थी! यहां पर सचमुच कणों में बदलने के लिए कुछ भी नहीं है! सिवाय पानी के और तुम्हारे!
पानी हवा से ज्यादा घना तरल होता है! यह तुम्हारी किरण को चारों तरफ फैला देगा और फिर वे किरणें इतनी कमजोर हो जाएंगी कि किसी को नुकसान न पहुंचा सकें!
सही कहा! मुझे अपनी किरणों की पॉवर बढ़ानी पड़ेगी!
इसका मौका मैं तुमको नहीं दूंगा!
ध्रुव की सीटी के जवाब में-
दर्जनों की संख्या में डॉल्फिनें बाईट पर टूट पड़ीं-
ओ! ये जीव तो चारों तरफ से मुझ पर हमला कर रहे हैं! मुझको अपने कंट्रोल बदलने का मौका ही नहीं दे रहे हैं! ओऽऽऽह!

कहानी 35 पेज से जारी

डिजिटल
मैं भी इनका हाथ बंटाता हूं.
ओऽऽह, अब ये सब मुझे संभलने का मौका नहीं देंगे.
हो सकता है कि अब ध्रुव मुझको पकड़ने का कोई रास्ता भी तलाश कर ले!
अब यहां पर रुकना खतरनाक है! मुझे जाना होगा!
ये तो सतह की तरफ जाने के बजाय समुद्र के तल की तरफ जा रहा है! पर क्यों?
ध्रुव भी व्हाईट के पीछे पानी में और गहरे उतरता चला गया-
लेकिन-
ओऽऽऽह! यह रोशनी की चमक कैसी?
आंखें चुंधिया गई हैं, कुछ भी नजर नहीं आ रहा है!
कुछ देर बाद ध्रुव की आंखें अब कुछ देखने लायक हुई थे-
अरे! कहां गायब हो गया व्हाईट, इतने गहरे पानी में से वह कहां जा सकता है! शायद डॉल्फिनों को कुछ पता हो.

अगर उनका विज्ञान मानवों के विज्ञान से उन्नत है तो अवश्य हो सकता है!
क्या तुम बता सकते हो कि वे ऐसा करने के लिए किस तकनीक का प्रयोग कर रहे हैं.

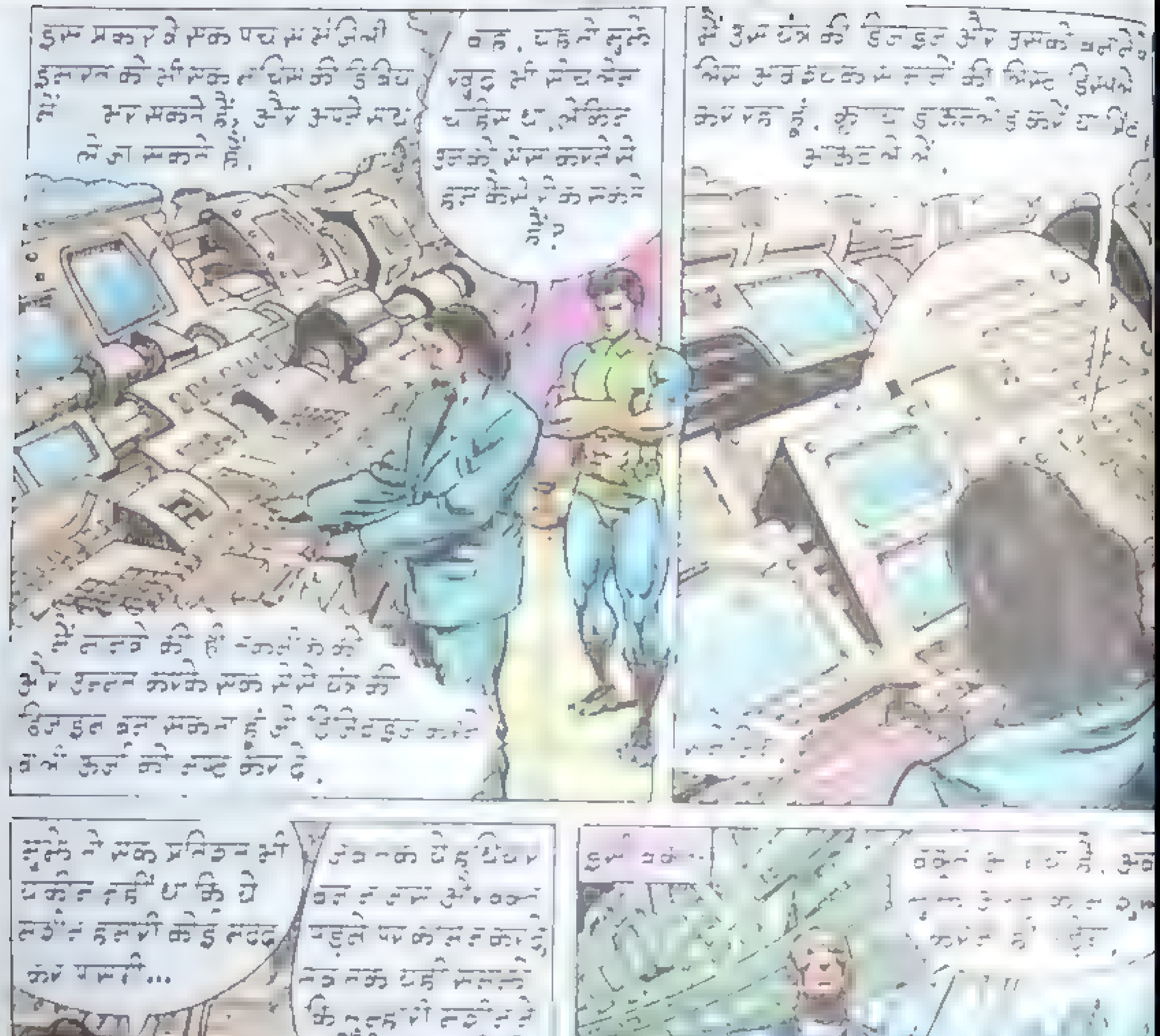
इस प्रकार से एक पचास मंज़िली इमारत को भी एक माचिस की डिबिया में भर सकते हैं, और अपने साथ ले जा सकते हैं.
मुझे तो एक प्रतिशत भी यकीन नहीं था कि ये लड़के हमारी कोई मदद कर पाएंगे...
ये असंभव है, जनरल, मैं अभी इंजीनियर के विभाग पर काम शुरू कर देता हूँ.

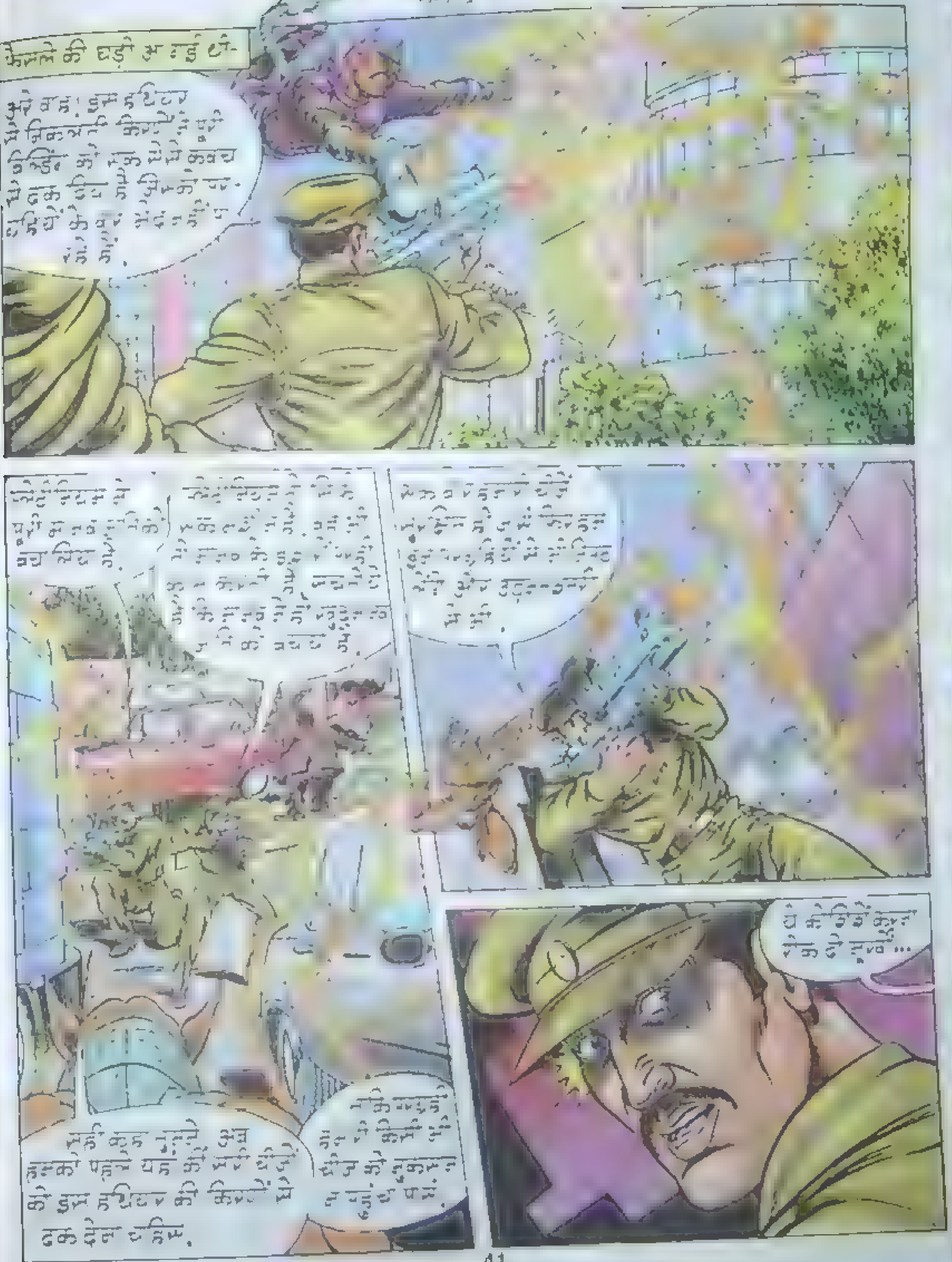
फैसले की घड़ी आ गई थी-

उँऽऽह, उँऽऽऽह

ओह! इतने वर्षों तक पृथ्वी पर रहने के बावजूद मैं ऐसे स्थान पर कभी नहीं आया! अजीब सी गंध है यहां के वातावरण में, मेरा सर चकरा सा रहा है! खैर, प्लेटीनियम को खत्म करने के लिए मैं बाहर तो जा ही रहा हूं, बाहर जाकर मुझे ठीक होने में वक्त नहीं लगेगा.
ये लड़खड़ाया! चलो! मुझे इसकी एक कमजोरी का तो पता चला.
ये सीवर में बहते इन रसायनों की मिली-जुली गंध को ही सह नहीं पा रहा है! अगर इसको इस गंदे पानी में गिरा दिया जाए तो इन रसायनों का मिला-जुला असर इसको बेहोश कर सकता है!
और यह काम मैं स्टारलाइन को इसके बदन में फंसाकर आसानी से कर सकता हूं.
अरे! स्टारलाइन तो इसके शरीर के आर-पार हो गई.
मैंने अपनी बची खुची शक्ति से अपने शरीर को कार्बन में बदल दिया है, अब सिर्फ ऊर्जा ही तुमको कोई नुकसान पहुंचा सकती है, तुम जैसे मामूली इंसान के पास ऊर्जा भला कहां से आएगी
दिमाग ने सोचा!
क्योंकि अब मुझको वह तरीका मिल गया है जो तुमको गंदे पानी में कूदने पर मजबूर कर देगा.
सीवर लाइन से होकर जाना ये कुकिंग गैस पाइप...
...तुमको गैस के बादलों में ढक देगा.
और फिर मेरा सिगनल फ्लेयर उस गैस में आग लगा देगा!
और आग ऊर्जा का ही एक रूप है जो तुमको नुकसान पहुंचा सकती है!
अब इस आग को बुझाना चाहते हो...
...तो इस पानी में कूद जाओ.
आग बुझाने के लिए तो गंदे पानी में कूदना ही पड़ेगा, और कोई उपाय नहीं है!
आऽऽह, इन रसायनों का मेरे शरीर पर अजीब सा असर हो रहा है! मेरी शक्ति खत्म हो रही है!
और मुझे कमजोरी लग रही है!

यानी अब मैं आराम से तुम्हारी बात सुन सकता हूं! अब बताओ कि तुम्हारे पास इस बात का क्या सबूत है कि इन सब घटनाओं के पीछे तुम्हारा नहीं बल्कि प्लेटीनियम का हाथ है.
अब वह पूरी पृथ्वी पर अपना कंट्रोल चाहता है, लेकिन एक कंप्यूटर सिर्फ डिजिटाइज्ड चीजों को ही कंट्रोल कर सकता है. इसलिए उसने पूरी पृथ्वी को डिजिटाइज करने या यूं कहें कि कब्जे में करने की योजना बनाई।
उसको सबसे पहले कुछ ऐसे प्राणी चाहिए थे जिन पर उसका कंट्रोल भी हो और वे उसका काम भी कर सकें, इसीलिए उसने अपनी इलेक्ट्रोड के द्वारा कुछ चूहों को सलेक्ट किया और ऐसे लोगों को उठाना शुरू किया, जिन पर कोई ध्यान देने वाला तक नहीं था।
सबसे पहले उसने उन इंसानों को डिजिटाइज किया और फिर उनको दस-दस रुपए देकर चीजों को डिजिटाइज करने के लिए दुनिया में भेज दिया. बाईट एक ऐसा ही इंसान था जिसको डिजिटाइज करके और पैसा देकर भेजा गया था. प्लेटीनियम पर किसी को शक न हो, इसके लिए उसने परग्रही और उड़न तश्तरी का नाम लेकर एक नाटक रचा था। पुलिस के पास इसका कोई सबूत ही नहीं!
प्लेटीनियम को कृत्रिम बुद्धि देकर तुम मानवों ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारी है, तुम्हारे इंसानों को कुछ ही दिनों में उसने अपनी बुद्धिमत्ता से इतना विकसित कर दिया है कि मानवों को वह तुच्छ समझने लगा है.
मैं सब कुछ देख रहा था! पर यह निर्णय नहीं ले पा रहा था कि मैं अभी बीच में पडूं या नहीं. पर जब परग्रहियों से निपटने के लिए मानवों ने प्लेटीनियम से ही मदद मांगी और प्लेटीनियम ने ऐसे हथियारों के डिजाइन करके दे दिए जो खुद ही चीजों को डिजिटाइज कर रहे थे तो मुझसे रहा नहीं गया.
मेडिसन स्क्वेयर पर अब परग्रही उतना नुकसान नहीं कर रहे थे जितना कि उन हथियारों से छूटती किरणें. वह सब ड्रामा प्लेटीनियम द्वारा ही रचा गया था. बस, वह ये नहीं जानता था कि इस ग्रह पर पहले से ही एक परग्रही मौजूद है। मंगल ग्रह का प्राणी मोर्ग.
मेरे घटनास्थल पर पहुंचते ही प्लेटीनियम समझ गया कि खेल उल्टा हो सकता है. उसने तुरंत सभी प्राणियों को गायब करके उनकी जगह एक नया प्राणी कोर्च बनाया. और कोर्च ने नष्ट होते-होते भी तुम लोगों के दिमाग में शक का बीज डाल दिया।
अब कोई रास्ता नहीं है. प्लेटीनियम मुझको शक्ति प्राप्त करने के लिए यहां से बाहर जाने नहीं देगा, और मानव उसको नष्ट करने नहीं देंगे.

अब तो...
धरती और इस पर की सभी चीजें डिजिटाइज होकर ही रहेंगी।
प्रोफेसर
अह; प्रोफेसर, ...
अब कोई फायदा नहीं है ध्रुव.

तुम बहुत बड़ा खतरा मोल ले रहे हो ध्रुव! डिजिटाइज होकर हम प्लेटीनियम के सर्किटों में तो घुस सकते हैं लेकिन साथ ही साथ हम प्लेटीनियम के कंट्रोल में भी आ जाएंगे. अब प्लेटीनियम अपने कमांड के जरिए हमको अपने इशारे पर नचा सकता है.
मैं खतरे को अच्छी तरह से समझ रहा हूँ मोनो! हमको प्लेटीनियम के कमांड से लड़ते हुए उसके 'आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस' वाले सर्किटों तक पहुंचना है.
ध्रुव और मोनो कवच के अंदर खिंचते चले गए-
चलो, कोशिश करते हैं. लेकिन इस टेरर प्रॉब्लम का क्या होगा?
उनको भावना के भरोसे छोड़ना होगा.
और उम्मीद करनी होगी कि उनके डूबने से पहले हम प्लेटीनियम को नष्ट कर दें।
ध्रुव और मोनो, बिजली की गति से प्लेटीनियम के सर्किटों की भूलभुलैया में जा पहुंचे-

मेरे सर्किटों में घुसकर तुमने अपने आपको खुद एक ऐसी कैद में डाल दिया है जिससे तुम कभी बाहर नहीं निकल सकते. तुम मुझको नष्ट करना चाहते हो न? अब देखो कि मैं तुमको कैसे नष्ट करता हूं!
प्लेटीनियम अब खुद इस लड़ाई में शामिल हो गया है! और चारों तरफ से अपने कमांड हम पर छोड़ रहा है! एक भी कमांड का हमसे स्पर्श होते ही हमारा नियंत्रण प्लेटीनियम के हाथों में चला जाएगा...
ये तो मैं भी समझ रहा हूं तुम तो ये बताओ कि अब हम करें क्या?
ये प्लेटीनियम का डुप्लीकेट है, ध्रुव. फिलहाल सिर्फ बचते रहना होगा. अगर ये कमांड बिजली की रफ्तार से हम पर हमला कर सकते हैं तो डिजिटल रूप में हम भी बिजली की रफ्तार से इनके रास्ते से हट सकते हैं.
ये तुम क्या कर रहे हो? एक 'को-ऑरडिनेट' से दूसरे 'को-ऑरडिनेट' पर उछल रहे हो.
हां! हर कमांड एक खास दिशा से हमारी तरफ आ रहा है. हमको बच-बचकर इनकी दिशा को इस प्रकार से सेट कर देना है कि दो कमांड आपस में ही टकरा जाएं...
बचते रहने का कोई फायदा नहीं है. ऐसे तो प्लेटीनियम कमांड की संख्या बढ़ाता जाएगा और कभी न कभी हमारा इनसे स्पर्श हो कर ही रहेगा!
तुम बस मेरे साथ रहो और जैसा मैं कर रहा हूं वैसा ही करते रहो.
...और ये तभी हो सकता है जब दो कमांड, दो तरफ से एक साथ हम तक पहुंचे!

और उसी वक्त अगर हम इन दोनों के रास्ते से हट जायें तो दोनों कमांड आपस में ही टकरा जायेंगी, और प्लेटीनियम के सर्किटों को एक तेज झटका लगेगा.
आह: आऽऽऽह.
तू सचमुच खतरनाक दिमाग वाला मानव है! तू तो एक सुपर कंप्यूटर तक को हराने की ताकत रखता है. पर मैं एक मेगा कंप्यूटर हूं. अब मैं तुम पर कमांड से हमला नहीं करूंगा! बल्कि उन प्राणियों से हमला करूंगा जो पहले से ही मेरे कमांड में हैं.
क्योंकि कंप्यूटर के सिद्धान्तों के अनुसार एक ही 'को-ऑर्डिनेट' पर दो कमांडों को एक साथ प्रोसेस नहीं किया जा सकता. और आपस में टकराने से मेगा कंप्यूटर के डाटा बैंक में खराबी पैदा हो सकती है; ये कुछ शॉर्ट सर्किट की तरह है.
कुछ प्राणी तेजी से हमारी तरफ आ रहे हैं. ये कैसे प्राणी हैं?
ये प्राणी नहीं बल्कि कंप्यूटर जेनरेटेड इमेज हैं. वीडियो गेम के पात्रों की तरह. और इनके पास भी कुछ वैसी ही अजीबो गरीब शक्तियां होंगी. और हमारे इन डिजिटल शरीर पर ये शक्तियां असर कर सकती हैं.
अब तो कोई सुपर कंप्यूटर प्रोसेसर ही हमारी मदद कर सकता है. हमारे डिजिटल शरीर के लिए नई शक्तियां प्रोग्राम करके.
पर यहां पर तो सिर्फ मेगा है, प्रोसेसर नहीं
प्रोसेसर है, तेज़. ब्लैककैट! वह प्लेटीनियम के सर्किटों के ज़रिए परग्रहियों का ठिकाना ढूंढ रही है. उसको तलाशो! वह रास्ता ढूंढते ही तुम तक पहुंचता है. ...तब तक मैं इन प्राणियों का ध्यान बंटाने की कोशिश करता हूं.
ठीक है, ध्रुव! मैं प्लेटीनियम के सर्किटों से जुड़े किसी भी सिस्टम को खटकते ही ढूंढ सकता हूं!

किसी इंसान के लिए खतरों रास्तों वाली उस साइबर भूलभुलैया में सही रास्ता ढूंढ़ना एक असंभव काम हो सकता था
लेकिन मोर्सा मंगल ग्रह की एक उन्नत प्रजाति का प्राणी था। उसने ब्लैक केट तक पहुंचने का रास्ता तलाश कर लिया था
सूचनाओं की बहती इलेक्ट्रॉनिक धारा के बहाव में उस धारा के स्रोत की तरफ बढ़ता मोर्सा शीघ्र ही मंजिल तक जा पहुंचा।
अरे, मेरी स्क्रीन पर अपने आप क्या उभर रहा है?
ब्लैक केट! मैं मोर्सा हूं! और मेरे पास तुम्हारे लिए ध्रुव का एक अर्जेंट मैसेज है।
व्हाट!
मोर्सा ने ब्लैक केट को पूरी स्थिति समझाने में ज्यादा वक्त नहीं लगाया-
ओह! समझी! लेकिन मैं तुम्हारी बात का यकीन कैसे करूं?
यकीन करने की जरूरत नहीं है। मैं एक विंडो पर तुमको ध्रुव का हाल दिखा सकता हूं!
ओ! मैं अभी तुम दोनों की डिजिटाइज इमेजेज के लिए नई सुपर शक्तियों को प्रोग्राम करती हूं।
ध्रुव, मुसीबत में था-
ओह! इन लोगों ने मिलकर मेरी डिजिटाइज फॉर्म के अंगों को अलग-अलग कर दिया है!
इस रूप में ये मेरी जान के लिए खतरनाक नहीं हैं!
लेकिन अगर मैंने बचाव का कोई रास्ता जल्दी ही न ढूंढ़ा तो मुझे अनंतकाल तक इसी हालत में रहना पड़ सकता है!
लेकिन तभी-
अरे! मैं... मैं तो आग उगल रहा हूं! और ये डिजिटल इमेज उसमें जलकर भस्म हो रही है!
यानी मोर्सा ने भी अपना काम कर दिया है, और ब्लैक केट ने भी!

हां, ध्रुव! अब मेरी वीडियो इमेज भी तुम्हारी मदद करने के लिए तुम्हारे साथ है। मैंने इतनी देर में प्लेटीनियम के दिमाग यानी 'आर्टीफीशियल इंटेलीजेंस सेक्शन' तक पहुंचने का रास्ता खोज भी लिया है, और उसके कोड को तोड़ भी लिया है। अब सिर्फ तुमको मेरी वीडियो इमेज के पीछे-पीछे आकर उस सेक्शन को नष्ट करना है। फिर सब-कुछ सामान्य स्थिति में आ जाएगा!
नहीं! वहां तक तुम कभी नहीं पहुंचोगे! मैं उससे पहले ही तुम्हारा कंट्रोल अपने हाथों में ले लूंगा!
तेरी डिजिटल छाया इस 'वायर-मेश' कैद के पार नहीं जा पाएगी! और उतनी देर में मैं अपने विज्ञान के डाटा की मदद से तुमको खत्म करने का कोई नया तरीका ईजाद कर लूंगा!
और हां! इस 'मेश' के पार निकलने की कोशिश मत करना! वर्ना तुम्हारा अस्तित्त्व ही खत्म हो जाएगा। क्योंकि इस 'मेश' को जिन कणों से मैंने बनाया है उनमें तुम्हारे डिजिटल शरीर की विपरीत ऊर्जा भरी है! जैसे ही तुमको यह छुएगा, तुम साफ हो जाओगे!
नहीं! ध्रुव को तुम्हें नष्ट करने के लिए आजाद होना ही पड़ेगा। वायर मेश को मैं नष्ट करूंगा, चाहे मैं खुद नष्ट हो जाऊं!
नोर्मा!
विपरीत ऊर्जाएं मिलते ही 'मेश' गायब होने लगा-

कोई फायदा नहीं होगा! यहां से बाहर जाने के सभी रास्तों पर मैंने 'सिक्योरिटी ब्लॉक्स' लगा दिए हैं! कोई भी डिजिटल चीज यहां से बाहर नहीं जा सकती! मेरे 'दिमाग' तक कोई भी पहुंच नहीं पाएगा! और हां... मैंने तुम तीनों से एक साथ निपटने का रास्ता भी तलाश कर लिया है! वीडियो इमेज तक इससे नहीं बचेगी! मैं तुम तीनों के कणों को एक साथ मिलाकर उससे एक डायनासोर बनाऊंगा! डिजिटल डायनासोर! दुनिया पर छोड़ने के लिए!
इसकी ऊर्जा ने हमारे दिमागों को भी आपस में जोड़ दिया है! हम आपस में बिना बोले बात कर सकते हैं!
लेकिन उसका फायदा कुछ नहीं है, ध्रुव! प्लेटीनियम को सिर्फ इसका दिमाग नष्ट करके ही खत्म किया जा सकता है। और वहां तक हम अब पहुंच नहीं सकते!
वहां तक पहुंचना जरूरी है भी नहीं! क्योंकि प्लेटीनियम का दिमाग तो प्लेटीनियम के डिजिटल रूप में हमारे सामने है! ये नष्ट हो गया तो 'आर्टीफिशियल ब्रेन' भी अपने आप नष्ट हो जाएगा मोर्सा!
समझा! लेकिन इसको हम नष्ट किस हथियार से करेंगे? यहां के तो हर पिक्सेल तक पर प्लेटीनियम का कंट्रोल है!
ये प्लेटीनियम का दिमाग है। और दिमाग को एक ही चीज खराब कर सकती है! ज्ञान की अधिकता! अभी ये हमसे जुड़ा हुआ है! हमारे दिमागों में जितनी भी इंफॉर्मेशन है वे सब इसके दिमाग में भरो! इतना कि ये उसको सह न पाए और फट पड़े!
तुम भूल रहे हो ध्रुव कि हमारे दिमागों में जो कुछ भी ज्ञान है उससे कई गुना ज्यादा प्लेटीनियम में पहले ही भरा है!
लेकिन हमारे पास फिलहाल ज्ञान का एक ऐसा भंडार है जो प्लेटीनियम में नहीं भरा है! मोर्सा के दिमाग में भरा मंगल ग्रह के ज्ञान का भंडार!
समझ गया ध्रुव! मैं अभी मंगल ग्रह का सारा ज्ञान प्लेटीनियम में ट्रांसफर करना शुरू करता हूं जो मेरे दिमाग में भरा हुआ है!

प्लेटीनियम के यह चाल समझ पाने से पहले ही नई-नई सूचनाओं की एक बाढ़ उसके डिजिटल दिमाग से आ टकराई-
और विद्युतगति से प्लेटीनियम के सर्किटों को लोड करने लगीं!
प्लेटीनियम का दिमाग गुब्बारे की तरह फूलने लगा-
और सूचनाओं का बोझ न सह पाने के कारण प्लेटीनियम के सारे सर्किट फट पड़े-
प्लेटीनियम का दिमाग नष्ट हो गया था
और उसके दिमाग के नष्ट होते ही-
उसके द्वारा दुनिया में फैलाया गया, उसका सारा असर भी नष्ट हो गया-
अरे! ये बिल्डिंग तो गायब हो गई थी! फिर अपने आप वापस कैसे आ गई?
मैंने अभी-अभी इस इमारत को जमीन के अंदर से निकलते हुए देखा है!
चल झूठे!
प्लेटीनियम का सारा असर खत्म हो गया है। उसके द्वारा चुराई गई सारी चीजें भी वापस आ गई हैं! सारे इंसान भी वापस आ गए होंगे।
तुम्हारे सहयोग के बिना यह कर पाना संभव नहीं होता मोर्स! अब तुम्हारा आगे का क्या प्लान है?
फिलहाल तो तुम जैसे सच्चे मानवों से दोस्ती करने का प्लान है ध्रुव! अभी तक मैं पृथ्वी पर छुपकर अकेला रहता था!
परन्तु वर्षों बाद तुमने मुझ पर विश्वास करके मुझे अपनाया है दोस्त! वर्षों बाद किसी जीवित प्राणी से बात की है मैंने! छिपकर तो मैं अभी भी रहूंगा, पर कभी मुझे बुलाना हो तो किसी भी कंप्यूटर नेटवर्क पर सिर्फ 'मोर्स' टाइप कर देना! मोर्स आ जाएगा!

समाप्त